

DPN 6967

स्वल्पनित्यपूजा

SVALPA NITYA PŪJĀ

Title :

Run. No. 7692

Cat. No.

Micro. No.

Subject *विद्ये Religious ritual*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

*मल्लभाषा निदेश है
Newa direction.*

Size in cms. 13 x 5.8

Folios 15

Lines (in a page) 5

✓
Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : *मन्त्रादि ३* Mantra monograms

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

श्रीपुण्ये ॥ गोविन्द ३ ॥

→ श्री स्वल्प नित्य पूजा ॥ ॥





लदाय ॥ रुट् धर्कं दणदिग्धनयाय ॥ ॥ पावनाया
मयाया ॥ नं १६ जवकासगयावखवनसाईकाय ॥ नं
३४ नयगिया ॥ नं २२ खवगयावजवनसाविग ॥
हाजालय ॥ अस्य वाउभकनमलस्य ॥ भालस ॥ दकि
धामृक्तिमुषयनमः ॥ म्रथुस ॥ पकि कृन्धसुनमः ॥
ददयस ॥

गीमहाविपुत्रसुन्दरीदवनायेनमः ॥ रुक् ॥ नं वी
जायनमः ॥ पा० स ॥ सो ० ८ ॥ कथनमः ॥ सव्विद्रस
॥ क्लीकीलकायनमः ॥ हाजालयावआय ॥ ममत्र
उर्वन्निहियविनिथान ॥ ॥ यगकायावनाम
याय ॥ म्नी अक्रायरुट् ॥ म्नी म्नी अक्रायनमः ॥

थवा॥५४॥२१॥ ॥जयसमर्थलखानकलखन॥
॥दंडजयगृहालखाहा॥ ॥लगायाया॥लीमहालिपू
वसुधैवकुतू॥म॥ध्वइध्वयानि॥धोषकटिगाहमस्तु
लनन्यन तत्तम॥ध्वमविमलुयतइपविशीवकवा
ऊँछुरु॥नसिंयागगवाइगधनू॥मानिक्कमूका

वसुधैवकुतूहावविवाजिगीतिनयमावन्दतिवामान
नी॥अपेशधसुस्तानि॥कियकहन्निर्ममया॥दासा
हमितिमांमत्वाकूमस्तजगदीधवावी॥कतहावजा
थ॥ ॥लखनहायवतनतयलखानकायावकुय
॥छयाया॥थेयासयाया॥लखानकतहावविसे

ऊनयाय॥ मूलमकुंभीमहापुत्रसूचनीदवीय
थभकिपूजितासिकमस्व॥ अनुयासद्वाय॥ संह
प्रमूडानहलायिसथादस्नानकायावमर्तुन॥
वाय॥ लेखकुरुत॥ नासियद्वपायामकु
र्षं॥ ३॥ ॥ स्ति स्तुति स्तुति स्तुति ॥ ० ॥

धवजवमअर्चास्वायनयाय॥ रुट धर्कलैखनहायक
॥ असनत॥ कोमाधारागकादिशानमः॥ रुट॥
धर्कअर्चानामधिनासलवस्वायनयाय॥ नेम
॥ धर्कलैखयन॥ ॐ धर्कयनस्नानअकृतनय
॥ को धर्कअर्चामूडालीधर्कहनयाय॥

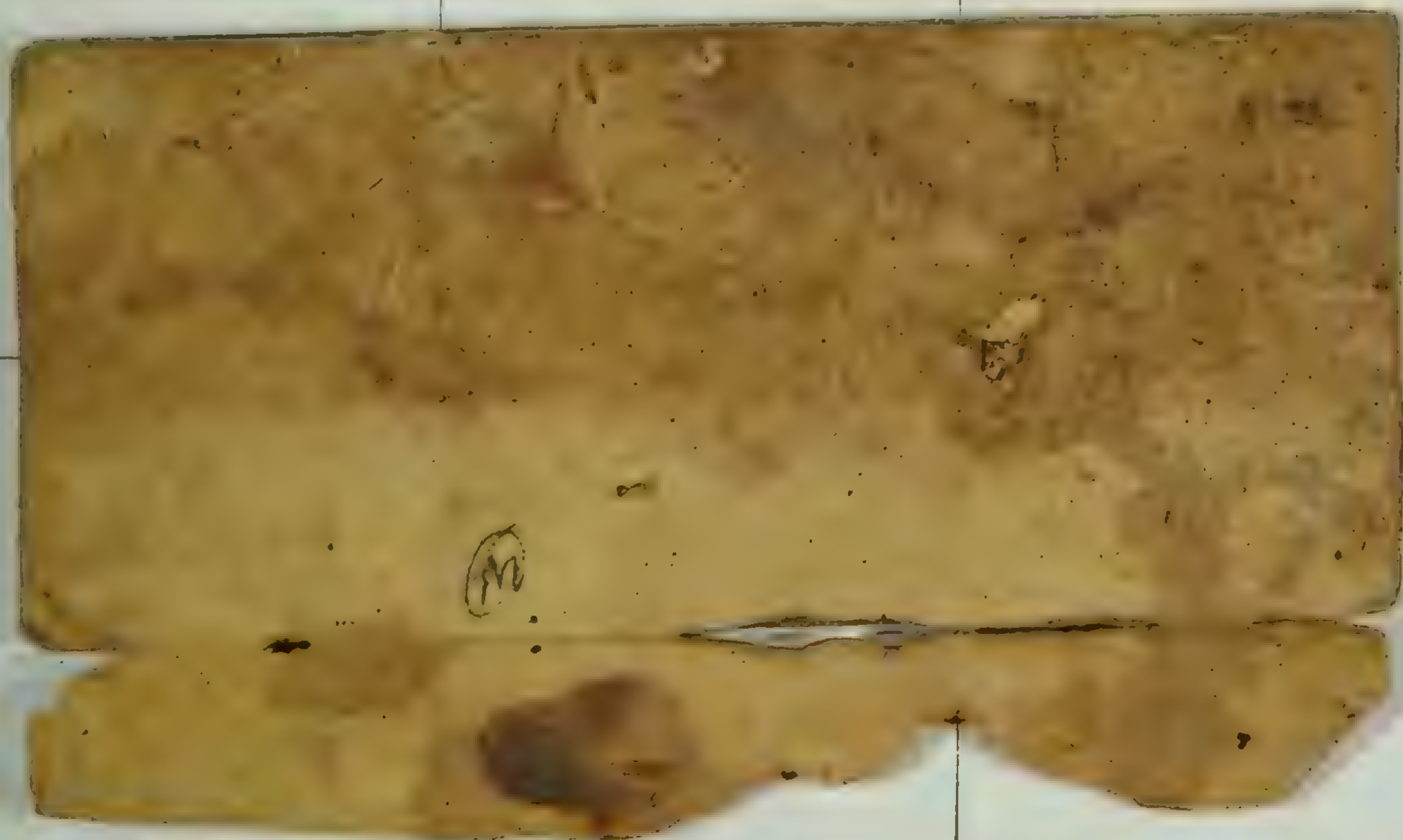
ॐ १० जपय ॥ वं धनमूडाकन ॥ गालगुयदि
व्यंननयाय ॥ ॥ धनपूजागलिं धर्मं धनं
दाय ॥ आत्मपूजा ॥ ॥ धनवदस एकावता
कयक वाय धनं सनत ॥ दी आधनमका
दित्यानम ॥ ॥ धनी धनमलाग ॥ लेखनदाय

रुट ॥ रुट ३ दाय ॥ दू अरुगुन ॥ वं धनमूडा
कन ॥ नम ॥ धनमन अकन ॥ पूजा ॥ धनम
म ॥ मसमूडा लयाय ॥ यं १० वं १० वं १० ॥ मूलम
क ॥ धन १० ॥ वं धनयानिमूडा ॥ गालगुय दिव
धन ॥ ॥ नवर्ध धनयाय ॥ रुट लेखनदा

य॥ शं ३ वं ३ वं ३ ॥ नमः ॥ स्नानं ॥ मूलमनु ३ ॥
वं ॥ धनमूला गलपय ॥ दिव्य धने ॥
अर्घ्यपात्र स्थापनयाय ॥ रुद्र धर्कं लेखनं हायाव
लिका लवा कर्षक यय ॥ पूजा ॥ श्री आध्यात्म
स्नादि स्नानमः ॥ नमः ॥ मंत्रिसंलावने ॥ पूजा ॥

मंत्रिक्रिमललायनमः ॥ रुद्र धर्कं पात्रसंलावने
॥ पूजा ॥ अंसूर्यमललायनमः ॥ ॥ श्री धर्कं लेखनं
समलला ॥ रुद्र धर्कं लेखनं अरुतन ॥ उधर्कं ॥
पूजा ॥ उं सा ममललायनमः ॥ श्रीकमलमूलादीनी
धीवाहनयाय ॥ कां धर्कं ॥ मल्लमूलादीनीयाय ॥ मूल





मन्त्राङ्गय वय ॥ वं धनूयानि मूढा नालकुण्डय दिव्य
धन ॥ नं आत्मनय ननं नमः ॥ क्रीं आत्मन अरु न
नमः ॥ सोः आत्मन पूर्य नमः ॥ मृत्तनगुञ्जलि
न थव भालस ॥ ॥ धनपी ० पूजा याय मात ॥ ॥
यैजलि धनका व वलिविय मात ॥ ॥ वां वदूकना

धायवलिगुङ्ग २ स्वाहा ॥ यों आगिनी त्र्यः वलिगुङ्ग २
स्वाहा ॥ काङ्क ७ पाला यवलिगुङ्ग २ स्वाहा ॥ मं नल
पने यवलिगुङ्ग २ स्वाहा ॥ उं की सर्वविद्युक् सु ४
सर्वरुतया दू रुट वलिगुङ्ग २ स्वाहा ॥ नवमं न य
वं ॥ मृत्तं स्वाहा श्रीमहाविष्णुवन्दन विमर्श न यो य
० मृत्तमव ० नं नव वी श्रीमहाविष्णुवन्दन वी द यो नमः ॥ २

मिनमः॥ ३ ॥ लाहानसिय॥ जपयाय॥ लाहानम
 लाव॥ वंदनादिहृषन॥ ॥ न्यासः॥ विसर्जन॥
 संहारमूढा॥ नासिय॥ ३ ॥ स्यात्सावित्रीय॥ जांजीसः॥
 सावित्रीहृष्यायजुर्वनमः॥

वीजसंख्ये ॥

सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री

सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री

सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री

सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री
 सावित्रीनक्रमस्तुक्तं श्री

१ नासिप ३॥ सुयार्थ ॥ ज्ञं ज्ञोत्तु ३॥ सुयार्थार्थनिम ४॥
न ननु मूलनमेकाग्रयाय ॥ गालगय शदि वे धर्मा ॥
जागीराम ॥ न्यास ४॥ ॥ अर्थस्वयने ॥ रुट् रुट्वन
हायावधक वायथ्य पुनायाय ॥ दी आधीनमी का
नित्यानम ४॥ रुट् धर्म मयिना अद्याना सला व

नमः॥ नमः॥ लीलाय नमः॥ ॐ स्वस्ति नमः॥ ॐ
 श्रीगुरुभ्यो नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
 वं॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
 ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
 ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
 ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥

ॐ वाक्ये कथाय ध्ये पूजा ॥ जं आ धा न ग क्का दि स्थान म
४॥ दत्ता त्रय म वि स ल ॥ नम ४ धर्क स्का य न या य ॥ पूजा या
य ॥ मं व कि म धु लो य न म ४ ॥ ॥ रुट धर्क पा न स लो व
स्का य न या य ॥ पूजा ॥ अं रु य म धु लो य न म ४ ॥ लं र्व
ध न ॥ नं की सो ४ ॥ ॐ य न स्तान अ क न न ॥ पूजा ॥ ॐ

साम म धु ला य न म ४ ॥ को अं रु मू डा द नी र्थ वा रु न
या य ॥ मत्स्य मू डा ल या य ॥ नं की सो ४ ॥ शं वं ध नू
थानि मू डा गाल ग य दि ग्य ध न ॥ ॥ थ लं र्व न थ म
हा य ॥ आ त्म पूजा ॥ नं आ त्म न य न्द न न म ४ ॥ को आ
त्म न अ क न न म ४ ॥ सो ४ आ त्म न य र्व न म ४ ॥ थ व

मालसुगया अलिन ॥ ३ ॥ थनयी ० पूजा या थ ॥ निंय
अथनासनाय नमः ॥ ॥ गु अलिन ३ ॥ वालाम
कुल ॥ ॥ आनिमूजा धनमस्तु ॥ ॥ वलि विय ॥ वां
वदुकनाथ यवलिं गृह २ स्वाहा ॥ यां या निमी र्णा वलिं
गृह २ स्वाहा ॥ कां कं गुया लाय वलिं गृह २ स्वाहा ॥ गं

गणयत यवलिङ्गं २ स्वाहा ॥ वंकीं सर्वविघ्नहृद् ४ स
वृक्षगणपतये नमः २ स्वाहा ॥ ॥ तर्पणाय
य ॥ वंकीं ४ गीवालाय नमः २ स्वाहा ॥ तर्पणाय
नमः ४ ॥ ३ ॥ ॥ जय याय ॥ १०८ ॥ ५४ ॥ २१ ॥ जय
समर्थयाय ॥ ॥ ५४ ॥ २१ ॥ जय

खन॥ ॥सू॥

कनकावजाय॥ नयनयाय॥ झूपाइकायूजयामि
नमः॥ ३॥ ॥थमलखनहाय॥ वनननय॥ स्नान

कायावकुय॥ दूपायाथनामयाय॥ बलितकनन
॥श्रुकायय॥ ॥दवीविसर्जयाय॥ विंकीमो॥
गीवालापियवसुन्दरीदवीयथनकिपूजिनामि
रुमस्र॥ सुलायीयासङ्काय॥ गालय॥ लथलक
सहायसुडाव॥ बलिद्वाय॥ सुलायिस॥ स्नानकायाव

ननु कावर्णीमतसवाय ॥ वलिसल्लखनयकुरु
३॥ नामियद्वयायाथी ॥ धावमल्लथल ॥ म्
यसाकिथीया ॥ जांकोसंसाकि ॥ लनीसूयायिज
यनमः ॥ ॥ धवर्णसुखवेगाहकनमस्कात्रयाय
॥ ॐ ॥